This question paper contains **8** printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

919

B.A. (Programme)/III **D**

(Application Course)

CREATIVE WRITING (HINDI)

रचनात्मक लेखन—हिंदी

(प्रवेश-वर्ष 2004 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 50

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । एक प्रश्न के सभी अनुभागों का उत्तर एक स्थान पर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लगभग **100** शब्दों में दीजिए :

   (*i*) लोकप्रिय संस्कृति और रचनात्मकता

   (*ii*) रचनात्मक लेखन के आधार

   (*iii*) पत्रकारिता और रचनात्मकता

(*iv*) लोकव्यवहार की भाषा और रचनात्मकता

(*v*) रचनाकार पैदा होता है या बनाया जाता है ?

(*vi*) आत्मविस्तार की इच्छा और रचनात्मकता ।

(*vii*) ठंडा मतलब कोकाकोला

(*viii*) भाषा और रचनात्मकता

(*ix*) कल्पना और रचनात्मकता

(*x*) साहित्य समाज का दर्पण है । 5×2=10

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** की यथानिर्दिष्ट विशेषताओं को चिह्नित कीजिए : 6×1/2=3

(*i*) को घटि ये वृषभानुजा वे हलधर के वीर ॥

(श्लेष)

(*ii*) वह शर इधर गाण्डीव गुण से भिन्न जैसे ही हुआ।
धड़ से जयद्रथ का उधर सिर छिन्न वैसे ही हुआ॥

(अतिशयोक्ति)

(*iii*) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही थीं जल-थल में । (अनुप्रास)

(*iv*) सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलोने गात,
मनो नीलमनि सैल पर आतप पर्‌यो प्रभात ।
(उत्प्रेक्षा)

(*v*) बिनु पद चलै सुने बिनु काना, बिनु कर करम करै विधि नाना (विभावना)

(*vi*) आये थे हरिभजन को, ओटन लगे कपास।
(असंगति)

(*vii*) हाथ कंगन को आरसी क्या । (मुहावरा)

(*viii*) यार तू जाता है, या मार खाएगा ।
(अनौपचारिक शैली)

(*ix*) सुख सरसों शोक सुमेरू (प्रतीक)

(*x*) पेट में चूहे कूद रहे हैं ।(लक्षणा शब्द-शक्ति)

(ख) किन्हीं **तीन** भाषा-प्रयोगों की विशेषताएँ बताइए :

(*i*) भाषा का मानकीकरण

(*ii*) रूढ़ शब्द

(*iii*) तत्सम शब्द

(*iv*) विदेशी शब्द

(*v*) अनौपचारिक शैली

(*vi*) छंद । 3×1=3

(ग) किन्हीं **दो** अवधारणाओं पर लगभग **75** शब्दों में टिप्पणी लिखिए :

(*i*) बिम्ब और प्रतीक

(*ii*) लक्षणा शब्द-शक्ति

(*iii*) मुक्त छंद और छंद मुक्त में अंतर

(*iv*) उपसर्ग

(*v*) अर्थालंकार । 2×2=4

3. (क) दिए गए अंश के रचनात्मक सौंदर्य का विश्लेषण कीजिए :

कितने युग बीते पर ठहरा

दूर-दूर तक फैला सहरा

अपनी एक अलग दुनिया है

नीला शांत समन्दर गहरा

ये दुनिया को चले पता रे

बालू, सीपी, शंख, किनारे

हम बच्चों के लिए बने हैं ।

अथवा

पहले तुम लोग अपने चेहरे छिपा लो । एक-एक हाथ रख लो अपनी आँखों पर । नहीं-नहीं, अब अखबार कतई नहीं । इसी के पीछे गीदड़ बनकर शिकार करते हो । इसी में मुँह छिपाकर सिर्फ वे सारी खबरें पढ़ते

हो, जो यह साबित करना चाहती हैं, चारों ओर भ्रष्टाचार है । मनुष्य परिस्थितियों का दास है । वह लाचार है। वह सिर्फ छपी हुई खबरें पढ़ सकता है । वह उनसे लड़ नहीं सकता । उन्हें बदल नहीं सकता । वह खुद अपने समाचार नहीं दे सकता । 9

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** विषयों पर लगभग **75** शब्दों में अपने विचार प्रकट कीजिए :

(*i*) कविता में अंतर्वस्तु

(*ii*) बाल साहित्य का उद्देश्य

(*iii*) नाटक के तत्व

(*iv*) उपन्यास के तत्व

(*v*) नवगीत

(*vi*) मनौवैज्ञानिक कहानियाँ । 3×2=6

4. (क) धारावाहिक लेखन के आवश्यक पहलुओं की चर्चा कीजिए ।

अथवा

रेडियो के लिए लेखन और टेलीविजन के लिए लेखन में अंतर बताइए । 4

(ख) रेडियो पटकथा लेखन की विशेषताएँ बताइये ।

अथवा

'महाकुंभ' पर एक फीचर लिखिए । 3

(ग) 'स्टुडेंट ऑफ द इयर' **या** 'विकी डोनर' **अथवा** अपनी पढ़ी किसी पुस्तक की समीक्षा कीजिए । 3

5. (क) पाठक किसी साहित्यिक रचना से क्यों जुडता है ? विचार कीजिए ।

अथवा

उपन्यास या किसी अन्य साहित्यिक कृति के संपादन में ध्यान रखने वाली बातें क्या होती हैं ? 3

(ख) आवश्यक चिह्नों का प्रयोग करते हुए प्रूफशोधन कीजिए :

इंद्र, आप यहा से जायें

तो पानि बरसे

मरूत, आप यहा से कुच करे

तो हवा चले

व्रहस्पति, आप यहा से हटें

तो बुद्धि कूछ काम करना शुरू करे । 2